पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने पुस्तक 'उत्तर प्रदेश राजभवन के पक्षी' का लोकार्पण किया
विलुप्त हो रही पक्षियों की प्रजातियों को बचाने की जरूरत है - राज्यपाल
घर के आस-पास चिड़िया दिखना खुशहाली का सूचक है - मुख्यमंत्री

लखनऊः 19 जून, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज राजभवन के गांधी सभागार में 'उत्तर प्रदेश राजभवन के पक्षी' नामक पिक्टोरियल पुस्तक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव, राजनैतिक पेंशन मंत्री श्री राजेन्द्र चैधरी, अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं प्रमुख सचिव वन श्री संजीव शरण, पुस्तक के लेखक श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव तथा सहलेखक श्री अमित मिश्रा, राज्यपाल की प्रमुख सचिव सुश्री जूथिका पाटणकर, सचिव, उ0प्र0 राज्य जैव विविधता बोर्ड सुश्री प्रतिभा सिंह, प्रमुख वन संरक्षक डाॅ0 रूपक डे, चिकित्साधिकारी आयुर्वेद राजभवन डाॅ0 शिव शंकर त्रिपाठी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर श्री नीरज श्रीवास्तव, श्री अमित मिश्रा व डाॅ0 शिव शंकर त्रिपाठी को पुस्तक लेखन व प्रकाशन में उनके सहयोग के लिये अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज का दिन मेरे लिए व राजभवन के लिए खास अवसर है। लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी है। ऐतिहासिक ईमारत तथा हरियाली से आच्छादित होने के कारण राजभवन का अपना महत्व है। अगर दूसरे शब्दों में कहा जाय तो राजभवन लखनऊ की शान है। यह पुस्तक हिन्दी एवं अंग्रेजी में लिखी गयी है जिससे हिन्दी भाषी लोग भी इसका प्रयोग कर सकते हैं। आम तौर से काफी टेबल बुक अंग्रेजी में देखी गयी है। यह पहली काफी टेबल बुक है जो हिन्दी भाषा में प्रकाशित हुई है। राज्यपाल ने चुटकी लेते हुए कहा कि द्विभाषी प्रकाशन उनके प्रयास से ही हुआ है अगर आप क्रेडिट देंगे तो ठीक है नहीं तो मैं खुद ही क्रेडिट ले लूंगा। जिस पर पूरा हाल ठहाकों से गंूज गया।

श्री नाईक ने कहा कि यह पुस्तक स्कूल, कालेज एवं विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों में जानी चाहिए। शुद्ध पर्यावरण के लिए पशु-पक्षियों एवं जीव-जन्तुओं का होना अत्यन्त आवश्यक है। यह सब तभी संभव है जब ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाये जाये जिससे पक्षियों को रहने का उचित वातावरण मिले। राज्यपाल ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि राजभवन परिसर में पक्षियों की 86 प्रजातियाँ चिन्हित करके सचित्र पुस्तक तैयार की गयी है। अलग-अलग मौसम में विभिन्न प्रजातियों के पक्षी राजभवन में आते हैं जिनका फोटो निकालना परिश्रम का काम है। पक्षी स्वभाव से चंचल होते हैं इसलिये उनकी फोटो निकालने के लिए एकाग्रता एवं संयम चाहिए होता है। राजभवन में 40 पक्षियों के चित्र वाला एक बोर्ड लगा है उस बोर्ड को ऐसी जगह लगाया जायेगा जहाँ ज्यादा से ज्यादा लोग उसको देख सकें। उन्होंने कहा कि शहरीकरण के कारण विलुप्त हो रही पक्षियों की प्रजातियों को बचाने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने पुस्तक 'उत्तर प्रदेश राजभवन के पक्षी' की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह एक अच्छी पुस्तक है जिसमें राजभवन में आने वाली चिड़ियाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी है। उन्होंने राजभवन में हरियाली की तारीफ करते हुए कहा कि उचित वातावरण का प्रभाव पेड़ और पक्षियों पर पड़ता है। हरियाली बढेगी तो पक्षी भी आयेंगे। उन्होंने कहा कि घर के आस-पास चिड़िया दिखना खुशहाली का सूचक है।

श्री अखिलेश ने कहा कि विभाग के अधिकारी उत्तर प्रदेश के पक्षी, पेड़ो और फूलों का अलग-अलग संकलन तैयार करें। विकास के साथ-साथ पर्यावरण को दुरूस्त रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाये।

उन्होंने वन विभाग की सराहना करते हुए कहा कि विभाग के प्रयास से पारिजात के पौधें नर्सरी में उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि उनके प्रयास से मुख्यमंत्री आवास में भी अब गौरेया दिखाई देने लगी है।

कार्यक्रम में अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं प्रमुख सचिव वन श्री संजीव शरण ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा डा0 शिव शंकर त्रिपाठी चिकित्साधिकारी आयुर्वेद राजभवन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

उत्तर प्रदेश राजभवन के पक्षी
IBCN
BIRDS OF RAJ BHAVAN UTTAR PRADESH
उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा प्रकाशित पुस्तक का लोकार्पण

उत्तर प्रदेश राजभवन के पक्षी
IBCN
BIRDS OF RAJ BHAVAN UTTAR PRADESH
उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा प्रकाशित पुस्तक का लोकार्पण
मुख्य अतिथि :- श्री राम नाईक,माननीय श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
विशिष्ट अतिथि :- श्री अखिलेश यादव, माननीय मुख्यमंत्री,उत्तर प्रदेश
राजभवन, लखनऊ 19 जून 2015
राज भवन